सिंचाई परियोजनाओं को कार्यान्वित करने में विलम्ब होना

3001. श्री आस मोहम्मद: क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) केंद्रीय सरकार को सिंचाई परियोजनाओं को कार्यान्वित करते समय विभिन्न विभागों के बीच विवाद होने की जानकारी मिली है जिसके फलस्वरूप इन परियोजनाओं का उचित ढंग से कार्यान्वयन नहीं हो पाया है ;

(ख) यदि हां, तो ऐसे विवादों को निपटाने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं ; और

(ग) क्या सरकार ने इस संबंध में कोई मार्ग-निर्देश जारी किया है ?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पी० वी० रंगैया नायडू) : (क) विभिन्न सरकारी विभागों के बीच विवादों जिनसे सिंचाई परियोजनाओं के क्रियान्वयन, में विलम्ब होता है, के बारे में रिपोर्टें केन्द्र में प्राप्त नहीं हुई हैं । परियोजनाओं के क्रियान्वयन में विलम्ब के प्रमुख कारणों में एक कारण निजी एवं वन भूमि के अधिग्रहण में आने वाली कठिनाइयां हैं ।

(ख) और (ग) सिंचाई परियोजनाओं के मूल्यांकन के दिशा निर्देशों के अनुसार, पर्यावरणीय और/अथवा वन दृष्टियों से स्वीकृत किसी सिंचाई परियोजना की निवेश स्वीकृति के लिए एक पूर्व आवश्यकता है। विभिन्न विभागों के बीच उचित समन्वय सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकारों को यह सलाह भी दी गयी है कि वे तकनीकी आर्थिक मूल्यांकन के लिए केन्द्रीय जल आयोग को प्रस्तुत करने के पूर्व, परियोजना के विभिन्न पहलुओं पर विचार करने के लिए राज्य स्तरीय बहु विषयक यूनिट की स्थापना करें । उन परियोजनाओं जिनमें अंतर्राज्यीय नदी के जल की हिस्सेदारी और अन्य राज्यों में जलमग्न होने वाले क्षेत्र जैसे अन्तर्राज्यीय मुद्दे शामिल हैं, के बारे में राज्य सरकार को उनकी निवेश स्वीकृति से पूर्व, संबंधित राज्य सरकारों की सहमति प्राप्त करना भी अपेक्षित है।

मध्य प्रदेश में सिंचाई परियोजनायें

3002. श्री राघवजी : क्या जल संसाधन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश राज्य सरकार द्वारा प्रस्तावित कितनी सिंचाई परियोजनाओं को 1992 से उनके संबंध में और स्पष्टीकरण लेने के लिए वापस भेजा जा चुका है ; और

(ख) प्रत्येक परियोजना वापस किए जाने के क्या कारण हैं ?

जल संसाधन मंत्रालय में राज्यमंत्री (श्री पी.वी.रंगैया नायडू) : (क) और (ख) 1-1-1992 के बाद से राज्य सरकार को लौटाये गये मध्य प्रदेश के पांच वृहद सिंचाई परियोजना प्रस्तावों में से लोअर गोई और बीना काम्पलैक्स फेज-I परियोजनाओं की आयोजना में मूल कमियां पाई गई थी । शेष तीन परियोजनाओं नामशः परवती, गोपद मयार और कुनु को आठवीं योजना में शामिल नहीं किया गया है ।

On-going of prigation Project in the country

3003. SHRI T. VENKATRAM REDDY: will the Minister of WATER RESOURCES be pleased to state:

(a) the number of on-going major and medium irrigation projects in the country;

(b) the present stage of these projects;

(c) the original and latest estimated cost of the projects;

(d) the amount spent on these projects during the last three years;

(e) the amount proposed to be spent on these projects during the remaining period of the Eighth Five Year Plan; and